



सिर्फ इंसान के बच्चे ही अपने बुजुर्गों को नहीं चिढ़ाते बल्कि यह प्रवृत्ति ग्रेट एप्स (गोरिल्ला, चिम्पेंजी, बोनोबू आदि) में भी पाई जाती है। सैन डिएगो और लाइपज़िंग जू से ग्रेट एप्स का 75 घंटे की विडियो फुटेज एकत्रित किया गया, उसके विश्लेषण में वैज्ञानिकों ने 142 ऐसी घटनाएं चिह्नित कीं, जिनमें कम उम्र के ग्रेट एप्स (3 से 5 साल) उपद्रव एप्स को चिढ़ा रहे थे। वो अपने बड़ों को तिनका चुभोते, उनके साथ खींचतान करते और भाग जाते। कभी तो बड़ों को कोई चीज देते और जैसे ही वे हाथ बढ़ाते, हाथ वापस खींच लेते। ओरंगुटान बच्चे टक्कर मारते और बाल खींचते देखे गए, शायद इसलिए, क्योंकि ओरंगुटान के बाल लम्बे होते हैं। जर्मनी और अमेरिका के शोधकर्ताओं ने फुटेज में चिढ़ाने की 18 घटनाएं चिह्नित कीं। हर बार चिढ़ाने वाले वानर ने अचानक पीछे से आकर दूसरे को चौंकाने की कोशिश की। मैक्सलैक इंस्टीट्यूट की डॉ. इसाबेला लॉमर ने कहा, "हम नहीं बता सकते कि वे ऐसा क्यों करते हैं। खिलवाड़ में की जाने वाली यह छेड़खानी, उकसाने वाली और एक तरफा होती है और जानबूझ कर की जाती है और जैसा कि चिढ़ाने की घटनाओं में अक्सर होता है, छेड़खानी की घटना पर यदि दूसरा अपनी प्रतिक्रिया नहीं देता है तो हरकत दोहराई जाती है।" नौ बोनोबू, 4 ओरंगुटान, 4 गोरिल्ला और 17 चिम्पेंजी पर हुआ यह अध्ययन इतना बड़ा नहीं था कि, यह पता लगाया जा सके कि, विभिन्न प्रजातियों की हरकतों में बड़ा अंतर क्या है, लेकिन यह तो सामने आया कि, वयस्क और किशोरों की अलग-अलग रणनीति होती है। लेकिन दोनों के लिए "कोचना" (पोकिंग) सबसे आम तरीका था, किसी को छेड़ने का। तथापि, उपद्रव बंदर थोड़े शांत होते हैं। लॉमर ने कहा कि इसी तरह से इंसान के बच्चे भी अपनी मां को टिज करते हैं और मां की प्रतिक्रिया जानने के लिए उसका चेहरा देखते रहते हैं, यद्यपि छोटी उम्र के वानर उपद्रव वानरों को टारगेट करते हैं पर अपने माता पिता के साथ ऐसा नहीं करते। लेकिन इैनी नामक एक गोरिल्ला अपने माता-पिता को चिढ़ाते हुए भी देखा गया, शायद इसलिए क्योंकि वह अन्य गोरिल्लाओं के साथ था। युनिवर्सिटी ऑफ पोट्सडाम में इवोल्यूशन ऑफ कम्युनिकेशन्स का अध्ययन कर चुकी डॉ. मरीना डार्लिंग रॉस ने कहा कि, टैजिंग को सोशल ह्यूमर के संदर्भ में देखा जाना चाहिए, यह पार्टनर को समझने में अहम भूमिका निभाता है।

'ई.वी.एम. को अनलॉक करने के लिए डिवाइस से कनेक्ट नहीं किया जा सकता'

मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि, ई.वी.एम. "स्टैंडअलोन" तरीके से काम करने वाली प्रणाली है, ओ.टी.पी. वाली बात बेमतलब की है

मुंबई, 16 जून लोकसभा चुनाव 2024 के बाद एक बार फिर ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। तमाम विपक्षी पार्टियों ने एक बार फिर से ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिये कराने की मांग की। इस पर अब चुनाव आयोग ने अपनी सफाई पेश की है। मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि ईवीएम 'स्टैंडअलोन' (स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली) प्रणाली है, इसे अनलॉक करने के लिए ओ.टी.पी. की जरूरत नहीं है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यवंशी ने कहा, आज जो खबर आई उस को लेकर कुछ लोगों ने ट्वीट किए। ईवीएम को अनलॉक करने के लिए कोई ओ.टी.पी. नहीं लगता है। ईवीएम डिवाइस किसी से कनेक्ट नहीं रहता, अखबार द्वारा पूरी तरह से गलत खबर चलाई गई है। ईवीएम स्टैंडअलोन सिस्टम है। खबर

निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि, आज एक अखबार में ई.वी.एम. हैक करने के संदर्भ में जो खबर छपी है वह पूरी तरह से बेमानी है, हमने अखबार के खिलाफ नोटिस इशू किया है। आई.पी.सी. सैक्शन 499 के तहत मानहानि का केस भी किया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि, भारत में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) एक ब्लैक बॉक्स है, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि, भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर "गंभीर चिंताएं" जताई जा रही हैं।

पूरी तरह से गलत है हमने पेपर को नोटिस इशू किया है। 499 आईपीसी के तहत मानहानि का केस भी किया गया है। इससे पहले सपा प्रमुख यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, 'टेकनॉलजी' समस्याओं को दूर करने के लिए होती है, अगर वही मुश्किलों की वजह बन जाए, तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। यादव ने इसी पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा, आज जब विश्व के कई चुनावों में ईवीएम को लेकर गड़बड़ी की आशंका जाहिर की जा रही है और दुनिया के जाने-माने प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ (टेकनॉलॉजी एक्सपर्ट्स) ईवीएम में हेराफेरी के खतरे की ओर खुलेआम लिख रहे हैं, तो फिर ईवीएम के इस्तेमाल की जिद के पीछे

की वजह क्या है, ये बात भाजपाई साफ करें।

उन्होंने कहा, आगामी सभी चुनाव बिलेट पेपर (मतपत्र) से कराने की अपनी मांग को हम फिर दोहराते हैं। यादव पहले भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहे हैं। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक ब्लैक बॉक्स है, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर "गंभीर चिंताएं" जताई जा रही हैं।

गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "जब संस्थाओं में जवाबदेही ही नहीं होती तो लोकतंत्र दिखावा बन कर रह जाता है और धांधली की आशंका बढ़ जाती है।" इस पोस्ट के साथ गांधी ने एक खबर भी साझा कि जिसमें दावा किया गया कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखण्ड: वाहन खाई में गिरने की एक और घटना

देहरादून, 16 जून (वार्ता)। उत्तराखण्ड के जनपद पौड़ी गढ़वाल में एक वाहन रविवार को अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में तीन किशोरियों और चालक सहित चार लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई तथा तीन बच्चे घायल हो गये।

दो बालिकाओं को गंभीर हालत में एयरलिफ्ट कर, एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। एक घायल का स्थानीय अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

चौपहिया वाहन अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में जा गिरा, चार की मौत व तीन बच्चे घायल हो गये।

राज्य आपदा मोचन बल (एसडी आरएफ) की पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) रिद्धिमा अग्रवाल ने युनिवार्ता को बताया कि आज सुबह कोतावाली श्रीगगर द्वारा खिर्खू चौबट्टा के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना देते हुए रेस्क्यू को टीम की मांग की गई। जिसपर उप निरीक्षक देवीदत्त बर्धवाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल में लिए रवाना हुई।

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों से बाबरी विध्वंस का टॉपिक हटाया गया

एन.सी.ई.आर.टी. निदेशक ने कहा कि, घृणा और हिंसा शिक्षा के विषय नहीं हैं और स्कूली किताबों में इन पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए

नई दिल्ली, 16 जून देश की शीर्ष शिक्षा संस्था एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने अपनी किताबों में किए गए हालिया बदलावों को लेकर बयान दिया है। किताबों के बदलावों को लेकर उठे विवाद के बीच एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक ने कहा कि, घृणा और हिंसा शिक्षा के विषय नहीं हैं और स्कूली किताबों में इन पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए। बता दें एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में बाबरी मस्जिद विध्वंस और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व वाली राम रथ यात्रा के संदर्भों को हटा दिया गया है।

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में किए गए बदलाव के मद्देनजर कई सवाल भी उठे। ऐसे आरोप भी लगे की स्कूल के बच्चों की किताबों का भगवाकरण किया जा रहा है। इस बारे में बोलते हुए एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा,

एन.सी.ई.आर.टी. के सिलबस के भगवाकरण के आरोपों पर एन.सी.ई.आर.टी. निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा, "पाठ्यक्रम का भगवाकरण करने का कोई प्रयास नहीं है, पाठ्यपुस्तकों में सभी परिवर्तन साक्ष्य और तथ्यों पर आधारित हैं।"

सकलानी ने कहा कि, पाठ्यपुस्तकों में संशोधन एक वैश्विक प्रथा है, यह शिक्षा के हित में है। किताबों में बदलाव के बारे में जोड़ते हुए सकलानी ने कहा कि, यदि कोई चीज अप्रासंगिक हो जाती है, तो उसे बदला ही जाता है।

"पाठ्यक्रम का भगवाकरण करने का कोई प्रयास नहीं है, पाठ्यपुस्तकों में सभी परिवर्तन साक्ष्य और तथ्यों पर आधारित हैं।" एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में बाबरी मस्जिद विध्वंस और भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व वाली राम रथ यात्रा के संदर्भों को हटाए जाने के सवाल पर सकलानी ने

कहा, "हमें छात्रों को दंगों के बारे में क्यों पढ़ाना चाहिए, हमारा उद्देश्य बच्चों को हिंसक, अवसादग्रस्त नागरिक बनाना नहीं है।" सकलानी ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों में संशोधन एक वैश्विक प्रथा है, यह शिक्षा के हित में है। किताबों में बदलाव के बारे में जोड़ते हुए सकलानी कहते हैं कि यदि कोई चीज (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्रीनगर: दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज का काम पूरा हुआ

श्रीनगर, 16 जून जम्मू-कश्मीर के रियासी में रेलवे के लिए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल को बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है। इसके निरीक्षण के लिए पहुंचे रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुल का जायजा लिया।

ब्रिज के निरीक्षण के लिए पहुंचे रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुल का जायजा लिया। दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज पर रविवार को ट्रायल ट्रेन चलाई गई।

दुनिया के सबसे ऊंचे पुल पर आज ट्रायल ट्रेन चलाई गई। उत्तरी रेलवे इस पुल पर ट्रेन सेवाएं शुरू करने की तैयारी में है। यह पुल संगलदान को रामन जिले से जोड़ता है। रेलवे के एक इंजीनियर दीपक कुमार ने बताया की पुल पर ट्रेन सर्विस बहुत जल्दी शुरू हो जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चार सोलर प्रोजैक्ट के लिए भूमि आवंटन को मंजूरी दी

प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे सोलर प्रोजैक्ट: मुख्यमंत्री

जयपुर, 16 जून (का.सं.)। राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में सरलस एनर्जी स्टेट बनाने के संकल्प को शीघ्र पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री ने चार सोलर प्रोजैक्ट के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार बीकानेर जिले में 2450 मेगावाट के 3 सोलर पार्कों की स्थापना के लिए राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कंपनी को कुल 4780 हैक्टेयर तथा फ्लौदी जिले में 500 मेगावाट के एक सोलर प्रोजैक्ट की स्थापना के लिए एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को लगभग 910 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है। बीकानेर जिले में एक-एक हजार मेगावाट के दो तथा 450 मेगावाट का

एक सोलर पार्क स्थापित किया जायेगा। पहले सोलर पार्क के लिए पूरा तहसील के ग्राम सूरसर में लगभग 1881 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है। इसी तरह एक हजार मेगावाट के दूसरे सोलर पार्क के लिए दो हजार हैक्टेयर भूमि आवंटित की जायेगी जिसमें से 1194 हैक्टेयर भूमि सूरसर तथा लगभग 807 हैक्टेयर भूमि ग्राम भणावतावाला में स्थित है। इसी प्रकार बीकानेर जिले में ही 450 मेगावाट के तीसरे सोलर पार्क की स्थापना के लिए छतरगढ़ तहसील के ग्राम सूरदापुरा में 900 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है। ये सोलर पार्क राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा नवीन एवं नवीकरणीय मंत्रालय (केन्द्र

सरकार) की सौर पार्क योजना के अन्तर्गत 3 चरणों में विकसित किये जायेंगे। शर्मा ने इसके साथ ही एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को 500 मेगावाट सोलर प्रोजैक्ट की स्थापना के लिए फ्लौदी जिले की बाप तहसील में ग्राम भड़ला में 910 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इन सोलर प्रोजैक्ट्स के माध्यम से राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में

आएगी। इन सोलर पार्क्स में अत्याधुनिक सौर पैनल्स और ग्रिड टेकनॉलॉजी का उपयोग किया जाएगा, जिससे ऊर्जा उत्पादन की क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में लगभग 10 हजार करोड़ का निवेश भी होगा। एमएनआरई अनुमोदित परियोजना होने से 33 प्रतिशत अनुदान मिलेगा तथा अगले दो वर्ष में पूरा किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए गत 10 मार्च को राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एनटीपीसी लिमिटेड, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड

एवं एनएलसी इंडिया लिमिटेड के मध्य 3325 मेगावाट की धर्मल परियोजनाएं एवं 28,500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं संयुक्त उपक्रम के तहत स्थापित करने हेतु 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपये एमओयू किये गये हैं। साथ ही प्रसारण तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए पावरग्रिड कॉर्पोरेशन के साथ 26:74 शेयर धारिता के अनुपात में संयुक्त उपक्रम की स्थापना हेतु एमओयू किया गया जिसके तहत 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके अतिरिक्त राजस्थान ऊर्जा विकास निगम एवं एसेवीएन के मध्य 600 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं से बिजली की आपूर्ति के लिए पावर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के वॉटर पार्क में गोलीबारी, नौ लोग घायल

शिकागो, 16 जून (वार्ता) अमेरिका के मिशिगन प्रांत के पास डेट्रॉइट में एक वाटर पार्क में शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक गोलीबारी कर दी जिसमें कम से कम नौ लोग घायल हो गए। ओकलैंड कार्टेटी शेरिफ माइकल बाउचर्ड ने कल शाम एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि घटना डेट्रॉइट के उत्तरी उपनगर रोचेस्टर हिल्स के एक वाटर पार्क में स्थानीय समयानुसार शाम

हमलावर ने आठ साल के मासूल बच्चे को भी अपनी गोलियों का निशाना बनाया।

करीब पांच बजे तब हुयी जब एक संदिग्ध व्यक्ति ने वाटरपार्क में लोगों पर ताबड़तोड़ 28 गोलियां दाग दी। बुचार्ड ने कहा, इस घटना में लगभग नौ लोग घायल हुये हैं और सभी पीड़ित अलग-अलग अउ के हैं। घायलों में सबसे कम उम्र का आठ वर्ष का एक बच्चा है। उन्होंने कहा, पुलिस ने संदिग्ध को वाटर पार्क से आधे किलोमीटर दूर एक मकान में घेर लिया।